- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...


02 विपक्षी दल सनातन धर्म और परम्परा को कर रहे आघात: तारकिशोर

04 पंचायत समिति की बैठक गहमा गहमी के बीच सम्पन्न

# बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 29 अक्टूबर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 263

## 51 हजार से अधिक को सौंपे नियुक्ति पत्र

**हम न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं बल्कि एक पारदर्शी प्रणाली भी बनाए हुए हैं : प्रधानमंत्री**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित रोजगार मेले युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि हम न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं बल्कि एक पारदर्शी प्रणाली भी बनाए हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से अधिक कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने गए युवा रेल मंत्रालय, डाक विभाग, गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग और शिक्षा मंत्रालय सहित स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालयों और विभागों में सरकार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान देशभर के 37 स्थान मेले से जुड़े रहे। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार मेलों की यात्रा एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गई है, क्योंकि रोजगार मेले पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुए थे। तबसे निरंतर केंद्र शासित और एनडीए शासित राज्यों में विभिन्न रोजगार मेलों में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "दिवाली में अभी कुछ समय बाकी है लेकिन नियुक्ति पत्र पाने वाले 50 हजार युवाओं के परिवार के लिए ये मौका दिवाली से जरा भी कम नहीं है।"

मोदी ने कहा कि सरकार न केवल प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने का प्रयास कर रही है बल्कि परीक्षा प्रक्रिया का पुनर्गठन भी कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी चयन चक्र के तहत भर्ती में लगने वाला समय भी घटाकर आधा कर दिया गया है। एसएससी के तहत कुछ परीक्षाओं के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि परीक्षाएं अब हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित की जा रही हैं, जिससे उन उम्मीदवारों के लिए भाषा की बाधा को तोड़ना आसान हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, "सरकार रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले पारंपरिक क्षेत्रों को मजबूत कर रही है, साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, स्वचालन और रक्षा निर्यात जैसे नए क्षेत्रों को भी बढ़ावा दे रही है।" उन्होंने ड्रोन प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नए रास्ते खोलने का भी जिक्र किया और इसकी मदद से किए जा रहे फसल मूल्यांकन और पोषक तत्वों के छिड़काव का उदाहरण दिया।

## पश्चिम बंगाल में सड़क हादसा, छह की मौत

खड़गपुर (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल में पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर थाना अंतर्गत बारामुला इलाके में आज सुबह हुए सड़क हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। कई अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को खड़गपुर महकमा अस्पताल और मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चार घायलों की हालत गंभीर है। एक घायल को इलाज के लिए कोलकाता ले जाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक पिकअप वैन में फूलों की बोरियां चढ़ाने के दौरान सीमेंट की बोरियों से भरे ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे पिकअप वैन बगल के जलाशय में जा गिरी।

## पीओके भारत का, पाकिस्तान दखल देना बंद करे: इन्द्रेश कुमार

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक प्रचारक इन्द्रेश कुमार ने कहा है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का है। पाकिस्तान वहां जबरिया दखल देता है। उसे पीओके में दखल नहीं देना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे इन्द्रेश कुमार ने मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में यह मत व्यक्त किया। उन्होंने कहा भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के वक्त पीओके का भू-भाग भारत का हिस्सा था। तत्कालीन सरकार की गलती से पीओके के भू-भाग पर पाकिस्तान का कब्जा हो गया। 1947 में पाकिस्तान ने उस पर कब्जा कर लिया।

## मप्र में भारी बहुमत से आ रही है कांग्रेस: प्रियंका वाड्रा

**दमोह की चुनावी सभा में प्रियंका बोलीं- नेता धर्म की बातें करते हैं, काम की नहीं, इससे होता है जनता का नुकसान**

दमोह। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कई वर्षों से भाजपा की सरकार है, लेकिन क्या प्रदेश की जनता के जीवन में तरक्की हुई? क्या रोज़गार मिले हैं? क्या महंगाई घटी है? नहीं, तो भाजपा की सरकार जनता के लिए क्या कर रही है? देश और प्रदेश की सरकार बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए चल रही है, उसमें मिडिल क्लास, गरीबों के लिए, किसानों के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश बड़े बदलाव के लिए तैयार है। 225 महीने के शासन में 250 घोटाले करने वाली भाजपा सरकार जा रही है। भारी बहुमत से कांग्रेस आ रही है।

प्रियंका शनिवार को मप्र के प्रवास के दौरान दमोह में जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने मंच पर पहुंचते ही सबसे पहले भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने सभा में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज नेता धर्म की बातें करते हैं, काम की नहीं, इससे जनता का ही नुकसान होता है। कुछ हटके बोलना चाहती हूं। किसानों को कोई राहत नहीं मिली। मनरेगा को कमजोर बना दिया। किसानों को कोई राहत नहीं मिली। ऐसा कानून लाए, जिसका लाभ नहीं मिला। महंगाई बढ़ती जा रही है। आज हर चीज पर जीएसटी लगा दी।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी लाकर छोटे दुकानदारों की कमर तोड़ दी। कोरोना में हमारे देश में किसी को राहत नहीं मिली, जबकि बाकी देशों में दुकानदारों को राहत दी गई। बच्चों की किताबें, यूनिफॉर्म, इलाज, सीमेंट हर चीज पर जीएसटी लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि हम कह रहे हैं कि जातिगत जनगणना करो।

**अपराध** ईमेल की शिकायत गांवदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई गई है

## मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी से रंगदारी की मांग और जान से मारने की धमकी

मुंबई। मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी को अज्ञात शख्स ने ईमेल भेजकर 20 करोड़ रुपये की रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी दी है। इस ईमेल की शिकायत अंबानी के सुरक्षा प्रमुख ने गांवदेवी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई है। इस धमकी की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस सतर्क हो गई और अंबानी के आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। फिलहाल मामले की छानबीन जारी है।

पुलिस के अनुसार मुकेश अंबानी के ईमेल पर शुक्रवार को रंगदारी और धमकी भरा ईमेल आया था। अंबानी को मिले ईमेल में कहा गया

है, "अगर तुम हमें 20 करोड़ रुपये नहीं दोगे तो हम तुम्हें मार देंगे, हमारे पास भारत के सबसे अच्छे शूटर हैं।" इस ईमेल की छानबीन शुरू कर दी गई है। समाचार लिखे जाने तक ईमेल भेजने वाले का पता नहीं चल सका है।

उल्लेखनीय है कि मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पिछले साल बिहार के दरभंगा से आरोपित राकेश कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया था। छानबीन में पता चला कि गरीबी से तंग आकर उसने मुकेश अंबानी को धमकी दी थी। इसी तरह फरवरी 2021 में मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के बाहर एक स्कॉर्पियो कार मिली थी, जिसमें 20 विस्फोटक जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा पत्र था। पत्र में लिखा था, यह सिर्फ एक ट्रेलर है। इस मामले में मुंबई पुलिस के कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें बाद में निलंबित कर दिया गया।

## इजराइल–हमास संघर्ष : भारत का रुख स्पष्ट, आतंकवाद पर गोलमाल बात नहीं हो सकती

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र आम सभा (यूएनजीए) में जॉर्डन की ओर से पेश गाजा में 'शत्रुता की समाप्ति के लिए तत्काल, टिकाऊ और निरंतर मानवीय संघर्ष विराम' का आह्वान करने वाले गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव पर मतदान नहीं किया। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने इसकी आलोचना की है। सूत्रों का कहना है कि यह फैसला इस बात से प्रेरित है कि आतंकवाद पर कोई गोलमाल बात नहीं हो सकती है।

यूएनजीए द्वारा शुक्रवार को गाजा में इजराइली बलों और हमास आतंकवादियों के बीच संघर्ष विराम के आह्वान का प्रस्ताव अपनाया गया। भारत ने इस पर हुए मतदान में भाग नहीं लिया। भारत ने जॉर्डन के प्रस्ताव पर कनाडा की ओर से पेश संशोधन के पक्ष में मतदान किया। इसमें इज़राइल पर हमास के आतंकवादी हमले की निंदा की गई थी। हालांकि यूएनजीए में दो-तिहाई वोट नहीं मिलने के कारण प्रस्ताव को अपनाया नहीं जा सका। सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के विशेष सत्र में भारत का जोर 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किए गए आतंकवादी हमलों की स्पष्ट निंदा किए जाने पर था। 'प्रस्ताव पर हमारा (भारत का) वोट हमारी दृढ़ और सुसंगत स्थिति से निर्देशित था। वोट की हमारी व्याख्या इसे व्यापक और समग्र रूप से दोहराती है।

सत्यमेव जयते
Ministry of External Affairs
Government of India

# विपक्षी दल सनातन धर्म और परम्परा को कर रहे आघात: तारकिशोर

**बीएनएम@कटिहार**



बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं लोक लेखा समिति के सभापति तारकिशोर प्रसाद ने राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त किया है। शनिवार को तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल सहित इन्डी एलाएंस के नेता भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवाद और विकासवाद से घबराकर तुष्टिकरण की राजनीति कर सनातन धर्म को आघात पहुंचाने में लगे हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि फतेह बहादुर जैसे अज्ञानी लोगों को भारत की सनातन संस्कृति और गौरवशाली पौराणिक इतिहास से कोई नाता ही नहीं है। इतना ही नहीं, उन्होंने महिषासुर को यादव बताकर सम्पूर्ण यदुवंशी समाज को अपमानित किया है। इनके आपत्तिजनक बयान से करोड़ों सनातनी श्रद्धालुओं की आस्था को गहरा आघात लगा है। राजद नेता को अविलंब जनता से माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा राज्य की जनता समय आने पर करारा जवाब देगी। ऐसे लोग भारत के लोकतंत्र के लिए खतरा हैं, इनका सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। माता दुर्गा के यश, कीर्ति और महिमा के विषय में ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी घोर निंदनीय है।

श्री प्रसाद ने कहा कि ऐसे घृणित बयान पर जदयू नेताओं की चुप्पी आश्चर्यजनक है। उन्होंने कहा कि रसंगत से गुण होते हैं, संगत से गुण जातर वाली बात जनता दल यूनाइटेड पर सही साबित हो रही है। न्याय के साथ विकास का दंभ भरने वाली इस पार्टी ने भी अब उन भ्रष्टाचारियों और सामाजिक ताना को बिगाड़ने वाले अवांछित तत्वों के सामने घुटने टेक दिए हैं। ऐसी पार्टियाँ न केवल बिहार के लिए बल्कि संपूर्ण भारत के लिए नुकसानदेह हैं।

> **उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रवाद और तीव्र विकास की रफ्तार से घबराकर इन्डी एलायंस के नेता तुष्टिकरण और ध्रुवीकरण की राजनीति के तहत अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं और सामाजिक ताना-बाना को बिगाड़ने और सनातन धर्म को अपमानित करने में लगे हैं, जिसे देश की जनता बखूबी समझ रही है।**

## बिहार के 3.75 लाख नियोजित शिक्षकों को मिलेगा राज्यकर्मी का दर्जा, ड्राफ्ट तैयार

पटना। बिहार के नियोजित शिक्षकों को जल्द ही राज्यकर्मी का दर्जा मिलने वाला है। नई शिक्षक नियमावली का ड्राफ्ट अंतिम रूप से तैयार हो गई है। ऐसे में राज्य के करीब 3.75 लाख नियोजित शिक्षकों को इसका लाभ मिलेगा। इस नियमावली के अनुसार बिहार के नियोजित शिक्षक और लाइब्रेरियन दोनों को राज्यकर्मी का दर्जा मिलेगा।

मिली जानकारी के अनुसार, कैबिनेट से पहले दो नवम्बर को ही इसकी घोषणा की उम्मीद है। गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम नीतीश कुमार नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने की घोषणा कर सकते हैं। तीन नम्बर को को कैबिनेट में भी प्रस्ताव पर मुहर लगने की संभावना है। नियोजित शिक्षक सक्षमता परीक्षा पास करने पर राज्यकर्मी बनेंगे। बिहार बोर्ड को परीक्षा लेने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

कैबिनेट से मुहर लगने के एक माह के भीतर परीक्षा ली जा सकती है।

# मुख्यमंत्री ने कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के 29वें वार्षिक सम्मेलन का किया शुभारंभ

**बीएनएम@पटना**

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना स्थित मौर्या होटल में कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के बिहार इकाई के दो दिवसीय 29वें वार्षिक सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से हृदय रोग विशेषज्ञ शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उन्हें इस कार्यक्रम में आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से चिकित्सक आये हुए हैं और वे इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, यह बहुत खुशी की बात है। हमलोगों ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत काम किया है। हृदय रोग के इलाज के लिए अच्छी और विशेष व्यवस्था की गई है। पहले इसपर कोई ध्यान नहीं देता था। पहले सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए नाममात्र के लोग आते थे लेकिन अब प्रखंड स्तर पर भी इलाज की बेहतर व्यवस्था हो जाने से काफी लोग



सरकारी अस्पतालों में अपना इलाज करवा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान (आईजीआईसी) का पहले बहुत बुरा हाल था। बाद में जब हमारी सरकार बनी तो सबसे पहले वहां की व्यवस्था को दुरुस्त करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) को भी बड़ा और अच्छा बनवाया जा रहा है। पीएमसीएच को 5462 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल बनाया जा रहा है। इस अस्पताल का पहले से काफी नाम है। यहां से पढ़े हुए लोग चिकित्सा के क्षेत्र में देश-विदेश में नाम कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में तथा देश के बाहर भी जब मैं कहीं जाता हूं तो यहां से पढ़े हुए कई डॉक्टर मिल जाते हैं।

उन्होंने कहा कि हम सरकार में आए तो आईजीआईएमएस को भी बेहतर बनवाया, वहां की व्यवस्था को ठीक किया गया। सात निश्चय-2 में बाल हृदय योजना की शुरुआत की गयी। इसके तहत जन्म से हृदय में छेद वाले बच्चों का निःशुल्क इलाज करवाया जाता है। अहमदाबाद स्थित सत्य साईं अस्पताल से करार किया गया है, जहां ऐसे बच्चों का इलाज होता है। हमने ऐसे बच्चों के इलाज के लिए वहां भेजने एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करायी। अब तक 794 बच्चों का इलाज हो चुका है। पटना में ही अब इसके इलाज की व्यवस्था करायी गयी और आईजीआईसी में भी 198 बच्चों का इलाज हो चुका है। आईजीआईएमएस में 24 बच्चों का इलाज हो चुका है।

**श्रद्धा** | शरद पूर्णिमा के मौके पर विश्व प्रसिद्ध मेले का होता है आयोजन

# सिमरिया कल्पवास मेला में उमड़ी भीड़

बेगूसराय। मिथिला और मगध के पावन स्थल संगम स्थल गंगा तट सिमरिया धाम में शनिवार को शरद पूर्णिमा स्नान के सा विश्व प्रसिद्ध कार्तिक कल्पवास मेला अपने शबाब पर आ गया है। परंपरा के तहत बड़ी संख्या में बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा एवं बंगाल ही नहीं, नेपाल के भी श्रद्धालु यहां पहुंच चुके हैं।

अहले सुबह से ही जुटे बिहार के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु की भीड़ गंगा स्नान करने के बाद विभिन्न मंदिरों में पूजा पाठ करने में जुट रहे। वहीं, मगध क्षेत्र से बड़ी संख्या में भगत अपनी साधना को सिद्धि करने गंगा किनारे पहुंचे। जहां की अपने देवी देवता का फुलहाइस कर भगतई किया गया।

कल्पवास मेला क्षेत्र में कहीं तुलसी पूजन हो रहा है तो कहीं रामायण और भागवत की कथा चल रही है। राम निहोरा सेवा शिविर द्वारा मिथिलेश दास उर्फ बौआ हनुमान के नेतृत्व में



खालसा लग गया है। जिसमें बिहार, नेपाल, मध्य प्रदेश आदि के हजारों कल्पवासी पहुंच चुके हैं। वहीं, श्री मिथिला गौर धाम खालसा वृंदावन के महंत लाडली दास, उड़ीसा जनसेवा खालसा के महंत साधु गदाधर दास, राम जानकी खालसा, लक्ष्मी नारायण कथा कुंज आदि के श्रद्धालु भी पहुंच चुके हैं। पूरा सिमरिया धाम मिथिला की परंपरा के अनुसार भक्ति से ओतप्रोत हो गया है।

सर्वमंगला सिद्धाश्रम द्वारा स्वामी चिदात्मन जी के नेतृत्व में रामघाट के समीप ज्ञान मंच का शुभारंभ किया गया।

उन्होंने कहा कि गुरु का मतलब वह होता है कि जो अपने संतान की रक्षा करे। प्रथम गुरु मां को कहा गया, दूसरा गुरु पिता और तीसरा गुरु दीक्षा गुरु बतलाया गया है। जो इन तीनों के गुरु होते हैं उन्हें परम गुरु कहते हैं और जो सबके इष्ट हैं वे परात्वर गुरु कहलाते हैं। ज्ञानियों में किसी प्रकार कि अपेक्षा नहीं होती है।

# बीपीएससी 67वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी

**बीएनएम@पटना**

बिहार लोक सेवा आयोग ने 67वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा का फाइनल रिजल्ट शनिवार को जारी किया। परीक्षा में कुल 799 स्टूडेंट सफल रहे हैं। राज्यभर में अमन आनंद ने टॉप किया है। दूसरे स्थान पर निकिता कुमारी और तीसरे स्थान पर अंकिता चौधरी रहीं। बीपीएससी 67वीं का फाइनल रिजल्ट अभ्यर्थी www.bpsc.bih.nic.in पर देख सकते हैं।

67वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में बिहार प्रशासनिक सेवा के लिए 88, बिहार पुलिस सेवा (डीएसपी) के लिए 20, राज्य टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर के लिए 21, जेल सुपरिटेंडेंट के लिए 3, सब इलेक्शन ऑफिसर के लिए 4, बिहार एजुकेशन सर्विस के लिए 12, एक्साइज सुपरिटेंडेंट के लिए 2, सब रजिस्ट्रार, जॉइंट सब रजिस्ट्रार के लिए 5 का चयन हुआ है।

बीपीएससी 67वीं पीटी परीक्षा में 11607 को सफलता मिली थी। परीक्षा 802 पदों के लिए ली गई थी। इसमें अनारक्षित पुरुष वर्ग का कटऑफ मार्क्स 113 और महिला वर्ग का कटऑफ 109 मार्क्स रहा था।

> **ईडब्ल्यूएस पुरुष वर्ग की कटऑफ 109 और ईडब्ल्यूएस महिला वर्ग की कटऑफ 105 था जबकि 67वीं प्रीलिम्स परीक्षा में चार लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। बीपीएससी 67वीं मुख्य परीक्षा में 2104 अभ्यर्थियों को सफलता मिली थी। मुख्य परीक्षा 29 से 31 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी जिसमें 11 हजार 607 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इस परीक्षा के माध्यम से 800 से अधिक अभ्यर्थियों की नियुक्ति**

# योग विद्या, भाषा व स्वच्छता के साथ शुरू हुआ कैम्प

मोतिहारी। जिले के पिपराकोठी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में 27 अक्तूबर से चल रहे एनसीसी के ₹एक भारत-श्रेष्ठ भारत₹ कैंप के दूसरे दिन का आगाज़ पीटी और योग शिक्षा से शुरू हुआ। कैडेटों को सुयोग्य फिजिकल टीचर द्वारा बॉडी फिटनेस का गुर सिखलाने के साथ ही योग विद्या की शिक्षा दी गई और उन्हें वृक्षासन,सुखासन, ताड़ासन, पद्मासन तथा प्राणायाम की जानकारी दी गई। इसके पश्चात ओपनिंग एड्रेस कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें डिप्टी कैंप कमांडेंट सह कमांडिंग ऑफिसर 25 बिहार बटालियन एनसीसी कर्नल प्रदीप कुमार सिंह( सेना मेडल )द्वारा कैडेटों को राष्ट्रीय स्तर के कैंप के रहन सहन,विचार,व्यवहार और नियम कायदों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कर्नल प्रदीप ने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि कैंप जीवन में अनुशासन का महत्व सर्वोपरि होता है जिसका पूरी सख्ती के साथ पालन करना आप सबों के लिए आवश्यक और अनिवार्य है। आप युवा सैनिक हैं और आपको सैनिक धर्म का पालन हर हाल में करना है।अपने उस्तादों के निर्देशों का अक्षरशः पालन करना आपका नैतिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि सैनिकों का जीवन कठिनाइयों से जूझने के लिए और उस पर विजय प्राप्त करने के लिए होता है। आप सब विभिन्न प्रांतों और क्षेत्रों से यहां आए हैं और एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति से आपको बहुत कुछ सीखने की जरूरत है तभी एक भारतः श्रेष्ठ भारत का मुद्दा आप हासिल कर सकेंगे और इससे कैंप के उद्देश्यों को सिद्धि मिल सकेगी।

कैंप के कैडेटों को स्वस्थ जीवन( हेल्दी लिविंग )के उपाय भी बतलाए गए।एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर थर्ड ऑफिसर विकास कुमार द्वारा कक्षा आयोजित कर कैडेटों को हेल्थ,हाइजिन और स्वच्छता का संदेश दिया गया।

थर्ड ऑफिसर विकास कुमार ने इस अवसर पर कहा कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान चंपारण की इसी ऐतिहासिक धरती से महात्मा गांधी ने स्वच्छता का महान संदेश संपूर्ण भारतवासियों को दिया था।

आपको भी स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के सपनों को साकार करना है और अपने-अपने प्रदेशों में लौट कर वहां के लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलानी है। वही थर्ड ऑफिसर अमृता कुमारी के निर्देशन में लैंग्वेज क्लासेस का आयोजन हुआ जिसमें विभिन्न राज्यों से आए कैडेटों के बीच अपनी-अपनी भाषाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया।

# बिहार में नवादा जिले के हिसुआ विधायक के देवर के कमरे से मिली युवक की लाश

**बीएनएम@नवादा**

बिहार में नवादा जिले के हिसुआ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के विधायक नीतू कुमारी के नरहट गांव स्थित पैतृक आवास में उनके देवर सुमन सिंह के कमरे से शनिवार की शाम उपने पड़ोसी टुनटुन सिंह के बेटे 26 वर्षीय छोटू सिंह की लाश बरामद की गई है।

घटना के संबंध में उहापोह की स्थिति कायम है।नवादा के पुलिस कप्तान अमरीश राहुल ने बताया कि सूचना मिली कि विधायक के घर के कमरे में लाश पड़ी है। घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर जो न्याय संगत कार्रवाई होगी, की जाएगी।

विधायक नीतू सिंह के पति पप्पू सिंह ने बताया कि मैं पूरे परिवार के साथ पटना में हूं तथा उनके भाई सुमन सिंह की पत्नी कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष आभा सिंह भी पटना में है। लेकिन उनके भाई के घर में लाश किस रूप में बरामद हुई।

एसपी ने बताया कि इस संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि हम दोनों भाई कई वर्षों से अलग-अलग रहकर जीवन यापन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विधायक के देवर सुमन सिंह के पुत्र गोलू सिंह का करीबी दोस्त उनके अपने गोतिया टुनटुन सिंह का बेटा छोटू सिंह था। दोनों गहरे मित्र थे ।किस परिस्थिति में उसकी हत्या हुई तथा लाश सुमन सिंह के कमरे में से बरामद किया गया ।किसी को स्पष्ट जानकारी नहीं है।

एसपी ने कहा कि मामला बड़ा ही पेचीदा लग रहा है। निश्चित तौर पर वैज्ञानिक जांच के माध्यम से इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। खबर लिखे जाने तक पुलिस अधीक्षक भी किसी खास निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं।

# मयंक बने सहायक निदेशक सह जिला योजना पदाधिकारी, ग्रामीणों में हर्ष

मोतिहारी। भाजपा रक्सौल मंडल के जिलाध्यक्ष अशोक पाण्डेय के सबसे छोटे पुत्र मयंक कुमार ने बीपीएससी की परीक्षा पास कर सोलह वा रैंक लाकर अपने जिला, अनूमंडल, प्रखंड व गांव श्यामपुर का नाम रौशन किया है। सहायक निदेशक सह जिला योजना पदाधिकारी के पद पर चयन हुआ है।उनके पिता बताते है कि मयंक शुरू से ही मेघवी छात्र था। उनका प्रारंभिक शिक्षा एक से आठ तक की शिक्षा गांधी शिक्षण संस्थान बेगुसराय,नौ से दस तक की शिक्षा संत जेवियर स्कूल मुजफ्फरपुर, इंटर सीबीएस बोर्ड, बीटेक बंगलौर से किया। उक्त बीपीएससी परीक्षा चौथे प्रयास में हासिल किया है। तीन बार साक्षात्कार तक पंहुचा था। दो भाई एक बहन में छोटा है। बड़ा भाई हरियाणा सरकार में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत है।बताते है कि आगे आईएएस बनने का अपना है।यूपीएससी की दूसरी बार परीक्षा दिया है।दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कोचिंग कर रहे थे। आठ से दस घंटे पठन पाठन करते थे।

मांगपत्र

## बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम@केसरिया। भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर शुक्रवार को भोजपुरी विकास मंच का एक शिष्टमंडल बीडीओ मनीष कुमार सिंह से मिल कर एक ज्ञापन सौंपा। मंच के अध्यक्ष रामकुमार गिरी ने बताया कि कई देशों में बोले जाने वाली भोजपुरी उपेक्षा का शिकार है। इसे अब तक आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है।उन्होंने बताया कि भोजपुरी गीत में अश्लीलता व फूहड़पन परोसी जा रही है। जिससे नये पीढ़ी के बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है। ऐसे भोजपुरी गीत पर रोक लगनी चाहिए। ज्ञापन देने वाले शिष्टमंडल में मंच के सचिव राकेश कुमार रत्न, उपाध्यक्ष रंजन कुमार, रितिक रोशन, शौकत अली आदि शामिल थे।

**कार्यक्रम** भारत-नेपाल प्रशासनिक अधिकारियों की एकसाथ बैठक

# अधिकारियों ने व्यापारिक संगठनों संग की बैठक

**बीएनएम@रक्सौल**

भारत और नेपाल के प्रशासनिक अधिकारियों, रक्सौल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के प्रतिनिधियों के साथ नेपाल आई सी पी के मुख्य सभागार मे एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसकी जानकारी देते हुए मिडिया रक्सौल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता शम्भु प्रसाद चौरसिया ने बताया कि पूर्वी चम्पारण और पश्चिमी चम्पारण के जिला पदाधिकारी व जिला के पुलिस अधीक्षक साथ ही बगहा जिला के पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी एएसपी, मोतिहारी एडीएम, बगहा एसडीओ सहित तमाम आला दर्जे के अधिकारी मौजूद रहे। रक्सौल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तरफ से अध्यक्ष अरुण गुप्ता, महासचिव आलोक कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष नितिन कुमार व राकेश कुशवाहा, सचिव राजकुमार गुप्ता और दिलीप शाह मौजूद रहे। वहीं बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ की ओर से अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उपाध्यक्ष माधव राजपाल सहित कई पदाधिकारी सहित अशोक वैद्य भी मौजूद रहे।

इस बैठक में रक्सौल और बीरगंज के बॉर्डर की कई अहम बिंदुओं को मुखरता के साथ उठाया गया। साथ ही अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने एक प्रशासनिक और दोनों चैम्बर के प्रतिनिधियों की एक समन्वय समिति बनाने का भी चर्चा किया, जिसपर एक रक्सौल बीरगंज ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिसमें दोनों चैम्बर के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहेंगे।

तत्पश्चात महासचिव आलोक श्रीवास्तव ने दोनों देशों के टैम्पो स्टैंड के रूप में नेपाल साइड में मैत्री पूल के नीचे बनाने पर जोर दिया। साथ ही नेपाल जानेवाले वाहनों के लिए नेपाल आई सी पी के तरफ से रास्ता चालू करने सहित मनी चेंजर के लिए पुरजोर मांग रखा। जिसपर सभी ने सकरात्मकता से विचार करने पर सहमति जताया।

## फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

**बीएनएम@केसरिया।** बैगलेश डे के अवसर पर शनिवार को राजकीय मध्य विद्यालय केसरिया कन्या में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने दैनिक विद्यालयी पोशाक से अलग हटकर आधुनिक रंग- बिरंगे कपड़े में आए। विद्यालय के शिक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि हमेशा एक ही तरह के दैनिक पोशाक पहनने से बच्चें उबाऊ न हो, इसलिए बच्चों के विशेष आग्रह पर फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में वर्ग छः की लाडली कुमारी और बालक वर्ग में वर्ग सात के इन्तजार आलम को द बेस्ट घोषित किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक वासुदेव राम, नवल पासवान, रहीमुद्दीन, प्रियंका कुमारी, दिनेश यादव, सुरुचि, चांदनी, रिया, रुबी, सोनी प्रिया, राधा रानी, बिट्टू, पवन, मुस्कान, राज चंदन, प्रियांशु, दीपांशु, प्रिय रंजन आदि उपस्थित रहे।

# एक और नेपाली नाबालिग लड़की का किया गया रेस्क्यू

रक्सौल। भारत नेपाल सीमा से मानव तस्करी के मामले में एक प्रचलन बहुत अधिक देखने में आ रहा है कि अपना नाम धर्म और पहचान छुपाकर नेपाल की पहाड़ की लड़कियों का भोलापन और गरीबी का फायदा उठाकर उन्हें सोशल मिडिया के द्वारा झांसा दे कर ले आ रहे हैं और ऐसी जाल में फंसी लडकियां अवैध आर्केस्ट्राओं, रेड लाईट एरिया, देहव्यापार, अंग-तस्करी के लिए और आईएसआई जैसे आतंकी संगठनो के लिए भेज दी जाती हैं, इसके बाद इन लड़कियों के गरीब माता-पिता भी अपने दिल पर पत्थर रख कर सब्र कर लेते हैं। ऐसा ही मामला भारत नेपाल बोर्डर के समीप रक्सौल मे एक बार फिर देखने में आया।

मानव तस्करी रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी बेतिया अवस्थिति कार्यालय 47वीं वाहिनी एसएसबी रक्सौल के इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा को एक आसूचना मिली कि एक पहाड़ी और नेपाली सी दिखने वाली लड़की को कोई व्यक्ति रक्सौल के पंटोका हाजमो टोला के आस पास ले कर कहीं निकलने की तैयारी में है। त्वरित कार्यवाही की गयी और उस लड़की और व्यक्ति को टीम द्वारा खोज लिया गया। फिर प्रयास जुबेनाइल एड सेंटर रक्सौल टीम भी काउंसिलिंग के लिए पहुँच गयी। पूछताछ और काउंसिलिंग की गयी।

मानव तस्करी रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय (एसएसबी) ने जब पूछताछ की तब सामने यह आया कि मोहम्मद इरफ़ान खान ने पीड़ित लड़की के साथ लगभग एक महीने पहले ही टिक-टोक के माध्यम से दोस्ती की थी। मोहम्मद इरफ़ान खान ने पीड़ित नेपाली लड़की मनीषा चौधरी (बदला हुआ नाम) को अपना हिन्दू नाम विवेक चौधरी बताया और अपने को हिन्दू धर्म का व थारु भी बताया।

# पंचायत समिति की बैठक गहमा गहमी के बीच सम्पन्न

**बीएनएम@रामगढ़वा**

शनिवार को प्रखंड कार्यालय स्थित सभा कक्ष में प्रखंड प्रमुख कांता देवी को अध्यक्षता में प्रखंड पंचायत समिति सदस्यों की बैठक हुई।बैठक के दौरान पूर्व में हुए पंसस बैठक की कार्यवाही पंजी की समीक्षा की गई।बैठक के दौरान पखनहिया मुखिया धीरज कुमार ने सदन के माध्यम से कहा कि आम सभा मे जो पंचायत स्तरीय योजनाओं को पारित किया गया है उसकी सूची व पंसस की योजनाओं की सूची सदन में सार्वजनिक करें ताकि योजनाओं में पारदर्शिता बरती जाए, तब बीपीआरओ इंद्रजीत दास ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि अब से ऐसा नही होगा। वही मुखिया मदन सिंह ने कहा कि सभी योजनाओं

के क्रियान्वयन पंचायत व पंचायत समिति की आपसी सहयोग से हो ।

वही उप प्रमुख अवनीश पांडेय ने सदन में बालविकास परियोजना पदाधिकारी की मनमानी व पंसस बैठक में अनुपस्थित रहने को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित किया। वही आपूर्ति पदाधिकारी पर डीलर से रिश्वत के नाम पर गोदाम से चावल कटौती करने की जांच की मांग की। पंसस बैठक के छठे वित्त आयोग से एक दर्जन पीसीसी सड़क निर्माण कराने के लिए जीपी डीपी पर अंकित कराने की बात कही गयी।शिव नगर पंचायत के मुखिया शिव चन्द्र यादव द्वारा इनरवा मोहन यादव के घर के समीप लौकरिया पईन पर सलुईस गेट निर्माण कराने का प्रस्ताव पारित किया।

वही इनरवा मध्य विद्यालय में वार्ड सदस्य पति जिकरुल्लाह खान के द्वारा शिक्षा समिति के चुनाव को लेकर शिक्षक रत्नेश ओझा से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने का प्रस्ताव पारित किया। पंसस लालबाबू यादव ने बिजली विभाग के पदाधिकारियों पर लगातार सदन में अनुपस्थित रहने का आरोप लगाते हुए सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। पंसस बैठक में कार्यपालक अधिकारी सह बीपीआरओ इंद्रजीत दास, मनरेगा पीओ अमृतेश कुमार, सीओ मणिभूषण कुमार, कृषि पदाधिकारी रंजन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एनडी सिंह, बीसीओ अशोक पन्ना, उप प्रमुख अवनीश पांडेय, पंसस प्रियंका कुमारी,बअवधेश चौरसिया, जइस साह, लालबाबू यादव, मोहम्मद आजाद, मुखिया हाजी नसीबुल हक, शिव चन्द्र यादव, धीरज कुमार, मदन सिंह सहित अधिकांश जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

## इंटरमीडिएट सेंटअप परीक्षा की तिथि जारी

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के निदेशानुशार सत्र 2022 - 24 के तहत इंटरमीडिएट विज्ञान एवं कला संकाय में सेंटअप परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार ने परीक्षा कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि वार्षिक उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024 में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी निर्धारित परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार आगामी 30 अक्टूबर 2023 सोमवार से प्रस्तावित सेंटअप परीक्षा में शामिल होंगे। वहीं मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार के अनुसार सेंटअप परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी अपने साथ नामांकन रसीद एवं कॉलेज परिचय पत्र/आधार कार्ड आवश्यक रूप से साथ लायेंगे। ज्ञात हो कि इस परीक्षा में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आगामी वार्षिक उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024 का प्रवेश पत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।

## चोरी करने आए चोरो ने की फायरिंग

तुरकौलिया। रघुनाथपुर ओपी थाना क्षेत्र के सपही में चोरी की घटना रुकने का नाम नही ले रहा है। गत 16 दिनों के अंदर दो घरों में भीषण चोरी हुई है। घटना का उद्भेदन पुलिस अभी तक नही की है। वही इधर शुक्रवार की देर रात सपही वृतियां गांव के किसान पप्पू सिंह के घर में चोरी करने का प्रयास अज्ञात चोरों द्वारा किया गया। लेकिन किसान के जागने के बाद चोर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटना को लेकर किसान पप्पू सिंह के पुत्र राजेश कुमार ने रघुनाथपुर ओपी में आवेदन दिया है। जहां बताया गया है कि वह कमरे में सोया था। इसी दौरान चोर रात एक बजे कमरे की खिड़की तोड़ने का प्रयास कर रहे थे।इसी बीच खिड़की पर रखे पानी का बोतल गिरने से घर के सदस्य जाग गए। जहां दिखाई दिया कि खिड़की के बाहर करीब एक दर्जन चोर खड़े है। जहां हल्ला करते हुए परिजन बाहर निकले और ग्रामीणों के साथ चोर को खदेड़ने लगे। चोर फायरिंग करते हुए भाग निकले। ग्रामीण डरकर वापस आ गए। विदित हो कि 12 अक्टूबर की रात सपही में ही दवा दुकानदार मुनिलाल सिंह के घर में चोरों ने नकदी सहित 5 लाख के जेवरात चुरा लिया था। वही 24 अक्टूबर की रात किसान हरेंद्र सहनी के घर की खिड़की तोड़ चोरों ने नकदी 2.80 लाख रूपया सहित करीब 13 लाख के जेवरात चुराकर भाग गए हैं। दोनों मामले में एफआईआर दर्ज कराया गया है। लेकिन पुलिस अभी तक कोई उद्भेदन नही कर पाई है। रघुनाथपुर ओपी प्रभारी संदीप कुमार ने बताया की तहकीकात जारी है।

## कचरा उठाव करने वाला ई रिक्शा के बैट्री व स्टेपनी चोरी

**तुरकौलिया।** तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के कचरा उठाव करने वाला ई रिक्शा के बैट्री, स्टेपनी, जक व रिंच अज्ञात चोरों द्वारा चुरा कर लिया गया है। साथ ही गाड़ी का शीशा भी तोड़ दिया है। प्रखंड परिसर स्थित पंचायत भवन के समीप ई रिक्शा खड़ा किया गया था। प्रखंड परिसर के पीछे जंगल झाड़ी में रिक्शा गाड़ी को ले जाकर तोड़फोड़ करते हुए समान की चोरी की गई है। घटना को लेकर मुखिया रामजन्म पासवान व पंचायत सचिव शिवनाथ राम ने थाना पर आवेदन दिया है। जहां आवेदन में बताया गया है कि लोहिया स्वच्छ विहार अभियान के तहत कचरा उठाव किया जाता है। कचरा उठाव के बाद गाड़ी प्रखंड परिसर में खड़ा किया गया था। शुक्रवार की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा रिक्शा को कार्यलय के पीछे बागीचा में ले जाकर चोरी की गई है। जहां 4 बैटरी, एक स्टेपनी, एक जक व गाड़ी का 7 रिंच चुरा लिया गया है। साथ ही गाड़ी के शीशा भी तोड़ दिया गया है। मुखिया रामजन्म पासवान ने कहा कि आवेदन देकर अज्ञात चोरों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

# घोड़ासहन एवं राजेपुर हत्याकांड का पटाक्षेप, पांच अपराधी गिरफ्तार

**मोतिहारी/ सिकरहना।** पुलिस ने एक साथ घोड़ासहन एवं राजेपुर हत्याकांड का पटाक्षेप करते हुए मामले में पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

इनमें घोड़ासहन हत्याकांड में दो जबकि राजेपुर हत्याकांड में तीन हत्यारों को गिरफ्तार किया गया है। घोड़ासहन हत्याकांड के अपराधियों के पास से एक देशी पिस्टल, तीन कारतूस बरामद किया गया है। जबकि राजेपुर हत्याकांड में गिरफ्तार बदमाशो के पास से मृतक का मोबाईल फोन, हत्या में प्रयुक्त गमछा, एक बाइक एवं अन्य दो मोबाईल बरामद किया गया हैं।

इस संदर्भ में शनिवार को एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने पत्रकारो को बताया कि घोड़ासहन कसवा लौखान के समीप दशहरा मेला देख कर बाइक से लौट रहे युवक की अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले को लेकर डीएसपी सिकरहना अशोक कुमार के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। जिसमें संतोष शर्मा एसएचओ घोड़ासहन, जिला सूचना इकाई के इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्र, ज्वाला सिंह, घोड़ासहन थाना पुलिस के एसआई सत्येन्द्र सिंह, अनिल चौधरी, प्रशिक्षु एसआई विकास कुमार को शामिल किया गया था। टीम ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के क्रम में दो अप्राथमिकी अभियुक्तो को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। तत्पश्चात उसने हत्याकांड में अपनी संलिप्ता स्वीकार कर ली। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान सुबोध कुमार, लव कुमार थाना घोड़ासहन के रूप में की गई है। इनके पास से एक देशी पिस्टल एवं तीन कारतूस बरामद किया गया है।

BORDER NEWS MIRROR

Sunday 29 October 2023

# Editorial

## अमरत्व का संधान है संस्कृत

अंग्रेजी आग्रही लोगों के लिए शुभ सूचना नहीं है। लेकिन संस्कृत प्रेमी प्रसन्न हैं। लिथुआनिया यूरोप का विकसित और समृद्ध देश है। उत्तर-पूर्वी यूरोप में बाल्टिक सागर के किनारे स्थित यह देश संप्रति संस्कृत भाषा के आकर्षण में है। जर्मन विद्वान मैक्समूलर संस्कृत और ऋग्वेद पर मोहित थे ही। विलियम जोन्स भी संस्कृत प्रेमी थे। अब लिथुआनिया ने विश्वास प्रकट किया है कि इसकी भाषा और संस्कृति का जुड़ाव भारत की भाषा संस्कृत से है। लिथुआनिया में संस्कृत के विद्वान विटिस विदुनस भारत आए हैं। वे विल्नियस यूनिवर्सिटी के एशियन एवं बहुसांस्कृतिक अध्ययन विभाग में प्रतिष्ठित विद्वान हैं। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक भाषण दिया है। उन्होंने भारत और लिथुआनिया में भाषाई समानता के तथ्य सामने रखे। लिथुआनिया आगे शोध करना चाहता है। कार्यक्रम में भारत लिथुआनिया की राजदूत डायना मिकेविसीन भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि संस्कृत, लिथुआनियाई भाषा की करीबी बहन है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत में लिथुआनिया के दूतावास ने देशभर में दोनों भाषाओं के सम्बंधों की पहचान के लिए प्रयास प्रारम्भ किए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों भाषाओं की समानताएं शब्दावली तक ही सीमित नहीं है। व्याकरण की संरचना में भी समानताएं हैं। भारत में ज्ञान, विज्ञान, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, धनुर्वेद, नाटक, संगीत, कला, योगदर्शन और अनुभूति की भाषा संस्कृत है। पाली प्राकृत और अपभ्रंश होते हुए हिन्दी का विकास हुआ। अनेक भाषा विज्ञानी विकास क्रम में भिन्न मत भी रखते हैं। लेकिन प्राकृत के वैयाकरण वररुचि ने लिखा है 'प्रकृतिः संस्कृत/तस्मादुदभूतं प्राकृतं।' संस्कृत प्रकृति है। प्राकृत उसी से प्रकट हुई है। भारतीय संस्कृति का विकास और कथन संस्कृत में हुआ था। हिन्दी ने उसे आगे बढ़ाया। संस्कृत को मृतभाषा कहने वाले मित्र दयनीय हैं। भाषा कभी नहीं मरती। उसे बोलने वाले ही भाषा प्राणतेज रहित होते हैं। हिन्दी संस्कृत की उत्तराधिकारी है।

## वैचारिक भाव-भूमि के प्रसंग

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

कई फोटो अपने में बड़ा भाव और संदेश देने वाले होते हैं। चित्रकूट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जगतगुरु रामभद्राचार्य की भेंट के चित्र ऐसे ही हैं। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी को श्रीराम मंदिर अयोध्या के लोकार्पण का आमंत्रण दिया गया। इसके बाद शुक्रवार को चित्रकूट में मोदी और रामभद्राचार्य की मुलाकात हुई। यह विलक्षण संयोग है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में इन दोनों महानुभावों का योगदान उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री ने रामभद्राचार्य की तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि चित्रकूट की पावन और पुण्य भूमि पर मुझे दोबारा आने का अवसर मिला है। यह अलौकिक क्षेत्र है। इसके बारे में हमारे संतों ने कहा है कि चित्रकूट सब दिन बसत प्रभु सिया लखन समेत अर्थात चित्रकूट में प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ नित्य निवास करते हैं। उन्होंने चित्रकूट में कांच मंदिर (श्री रघुवीर मंदिर) में दर्शन पूजन किया। प्रधानमंत्री ने नए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का शुभारंभ किया। चित्रकूट में अरविंद भाई मफतलाल की सौवीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उन पर आधारित डाक टिकट जारी किया। रामभद्राचार्य ने श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर के संबंध में 400 से अधिक प्रमाण सुप्रीम कोर्ट को दिए थे। उन्होंने प्राचीन ग्रंथों के प्रामाणिक उद्धरण प्रस्तुत किये थे। रामभद्राचार्य ने दावे के साथ कहा था कि वाल्मीकि रामायण के बाल खंड के आठवें श्लोक से श्रीराम जन्म के बारे में जानकारी शुरु होती है। यह सटीक प्रमाण है। इसके बाद स्कंद पुराण में राम जन्म स्थान के बारे में बताया गया है। राम जन्म स्थान से तीन सौ धनुष की दूरी पर सरयू माता बह रही हैं। एक धनुष चार हाथ का होता है। आज भी यदि नापा जाए तो जन्म स्थान से सरयू नदी उतनी ही दूरी पर बहती दिखेंगी। अथर्व वेद के दशम कांड के इकतीसवें अनु वाक्य के द्वितीय मंत्र में स्पष्ट कहा गया है कि आठ चक्रों व नौ प्रमुख द्वार वाली श्री अयोध्या देवताओं की पुरी है। उसी अयोध्या में मंदिर महल है। उसमें परमात्मा स्वर्ग लोक से अवतरित हुए थे। ऋग्वेद के दशम मंडल में भी इसका प्रमाण है। तुलसी शतक में कहा गया है कि बाबर के सेनापति व दुष्ट यवनों ने राम जन्मभूमि के मंदिर को तोड़कर मस्जिद का ढांचा बनाया और बहुत से हिंदुओं को डाला। तुलसीदास ने तुलसी शतक में इस पर दुख भी प्रकट किया है। मंदिर तोड़े जाने के बाद भी हिंदू साधु रामलला की सेवा करते थे। इस पूरे प्रसंग से रामभद्राचार्य जी की विलक्षण प्रतिभा का अनुमान लगाया जा सकता है। उनका अध्ययन अद्भुत है। इसी के साथ वह समाज के कल्याण में भी समर्पित हैं। जिस शिशु की दो माह बाद ही नेत्र ज्योति चली जाए, उसके लिए जीवन अंधकारमय हो जाता है। लेकिन ऐसे अनेक विलक्षण लोग हैं, जिन्होंने इस अभाव को बाधक नहीं बनने दिया। प्रबल इच्छाशक्ति के साथ उन्होंने अभाव को प्रभाव में बदल दिया। आंखें न होने के बाबजूद अपना जीवन प्रकाशित किया, साथ में समाज को भी रोशनी दिखाई। रामभद्राचार्य ऐसी ही विभूति हैं। नेत्र ज्योति चली जाने से उनके परिवार में चिंता व निराशा थी। शिशु के भविष्य को लेकर बड़ी आशंका थी। तब किसी ने यह कल्पना नहीं की होगी कि एक दिन यह बालक समाज को मार्ग दिखायेगा। श्रीराम भूमि पर उनके तर्क अकाट्य थे। सभी लोग उनके अध्ययन व ज्ञान को देखकर हतप्रभ थे। भारतीय दर्शन व प्रज्ञा का चमत्कार प्रभावित करने वाला था। ज्ञानचक्षु जीवन आलोकित हो जाता है। इसे प्रत्यक्ष देखा जा रहा था। अति विशाल भारतीय वैदिक वांग्मय के अलावा अन्य सभी ग्रन्थों की पृष्ठ संख्या तक उनकी स्मृति में थी।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

*Today's* **Opinion**

## डॉक्टरों पर हमला करने वालों को भेजो जेल

**आर.के. सिन्हा**

पिछले दिनों राजधानी में सैकड़ों डॉक्टर राजघाट पर एकत्र हुए। ये वही डॉक्टर हैं, जो जानलेवा कोरोना की दूसरी लहर के समय भगवान के दूत बनकर रोगियों का इलाज कर रहे थे। लेकिन, अब ये डरे-सहमे हुए हैं। इनके डर की वजह यह है कि इन पर होने वाले हमलों और दुर्व्यवहार के मामलों की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है । केन्द्र सरकार से यह मांग कर रहे हैं कि वो तुरंत ही कोई सख्त कानून लेकर आए ताकि डॉक्टर बिना किसी भय भाव के काम सकें। फिलहाल तो डॉक्टरों पर हमले लगातार बढ़ते ही चले जा रहे हैं। आप स्वयं गूगल करके देख लें। आपको डॉक्टरों पर हमलों के अनगिनत मामले मिलेंगे। बेशक, डाक्टरों के साथ बदतमीजी या मारपीट करना किसी भी सभ्य समाज में सही नहीं माना जा सकता। इसकी भरपूर निंदा तो होनी ही चाहिए और जो इस तरह की अक्षम्य हरकतें करते हैं, उन्हें कठोर दंड भी मिलना चाहिए। बेशक, देशभर में हजारों-लाखों निष्ठावान डॉक्टर हैं। वे रोगी का पूरे मन से इलाज करके उन्हें स्वस्थ करते हैं। आपको पटना से लेकर लखनऊ और दिल्ली से मुंबई समेत देश के हरेक शहर और गांव में सुबह से देर रात तक कड़ी मेहनत करते हुए हजारों डॉक्टर बंधु मिल जाएंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल भी राजघाट तक के मार्च में शामिल थे। उनकी मांग है कि डॉक्टरों पर हमले करने वालों पर पांच लाख रुपये तक का जुर्माना और तीन साल तक की कैद हो। ये सारे कदम इसलिए उठाए जाने की जरूरत है ताकि डॉक्टरों पर हमले करने के बारे में कोई सपने में भी न सोचे। ड़ॉ. विनय अग्रावल कोरोना काल में किसी फरिश्ते की तरह कोरोना की चपेट में आए लोगों को अस्पताल में बेड दिलवा रहे थे। यह उन दिनों की बातें हैं जब कोरोना के रोगियों के संबंधी अस्पतालों में बेड तलाश रहे थे। निश्चय ही उस डरावने दौर को याद करते ही दिल बैठने लगता है जब कोरोना के कारण प्रलय वाली स्थिति बन गई थी। तब कोरोना के रोगियों के इलाज करने के लिए सिर्फ डॉक्टर और उनका स्टाफ ही सामने आ रहे थे। उस भयानक दौर में डॉ. विनय अग्रवाल और उनके साथी डॉक्टर दिन-रात रोगियों का इलाज कर रहे थे। उन्होंने उस दौरान सैकड़ों कोरोना रोगियों के लिए बेड की व्यवस्था करवाई थी। आज वे ही डॉक्टर अपनी जान की रक्षा करने के लिए सरकार से गुजारिश कर रहे हैं। यह वास्तव में बेहद दुखद स्थिति है। आप कभी राजधानी में देश के चोटी के डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल यानी आरएमएल में जाइये। वहां की इमरजेंसी सेवाओं में हर समय करीब एक दर्जन बलिष्ठ भुजाओं वाले बाउंसर तैनात मिलते हैं। यहां पर मरीजों के दोस्तों और रिश्तेदारों के डॉक्टरों के साथ कई बार हाथापाई करने के बाद अस्पताल मैनेजमेंट ने बाउंसरों को तैनात कर दिया है। जब से यहां पर बाउंसर रहने लगे हैं तब से अस्पताल में शांति है। वरना तो लगातार डॉक्टरों के साथ बदसलूकी और मारपीट के मामले सामने आते थे। कई बार डॉक्टरों को इलाज में कथित देरी या किसी अन्य कारण के चलते कुछ सिरफिरे लोग मारने-पीटने भी लगते थे। यहां पर कुछ महिला बाउंसर भी हैं। याद रख लें कि अगर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी डॉक्टर सुरक्षित नहीं हैं तो फिर बाकी जगहों की बात करना बेकार है। इस अस्पताल में सरकारी बाबुओं से लेकर देश के सांसदों और मंत्रियों तक का इलाज होता है। कोरोना काल में यहां के डॉक्टरों ने अनगिनत लोगों की जान बचाई थी। राजधानी के ही लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल ने भी अपने डॉक्टरों को बचाने के लिए बाउंसर रख दिए हैं। करीब दो साल पहले लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में गार्ड की तीमारदारों ने मारपीट की थी। दिल्ली पुलिस के जवान जब तक बचाने आते तब तक सुरक्षाकर्मी को तीमारदार मारपीट कर चुके थे। यह हाल उस सुरक्षाकर्मी का था जिसके कंधे पर डॉक्टरों को बचाने की जिम्मेदारी थी। उसका हाथ तक टूट गया था। इस घटना के बाद लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल ने बाउंसरों को लगाया। इन दोनों अस्पतालों में सारे देश से रोगी पहुंचते हैं।

**(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)**

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

# नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं पारिवारिक समाज का आधार स्तंभ

**संजीव ठाकुर**

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है1 वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है।

स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था। इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है।

महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है.

उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। ।

# ख्वाब में हकीकत

**ममता सिंह राठौर, कानपुर**

सपने जो हम सोते हुए देखते हैं, उनके बारे में आप लोगो की क्या राय है? बताइगा। वैसे मेरी भी समझ में कुछ ज्यादा नहीं है, हां पर यह लगता है कि जो मन में चल रहा होता है वो देखते हैं, फिर कभी बिल्कुल विचित्र सपने होते हैं। खैर, आज हम आप को आज के सपने में देखी हुई घटना का ही विवरण दे रही हूं जो बिल्कुल सच है।

हुआ यूं की आज दोपहर मैं जब सोई तो इस सपने ने ही जगा दिया, तो मन थोड़ी देर तक सोचता रहा फिर हँसी भी आ गई तो सोचा चलो आप लोगों को भी जगाते हैं, हँसाते हैं। अच्छा आज समय का जो दौर है उसके साथ सब लोग क्या चल पा रहे? हां पर कुछ लोग दौड़ रहें है कुछ लोग छलांग लगा र हे हैं, पर कुछ लोग बेचैन भी हैं और सोचते हैं कि हमारी भारत भूमि जहां सत्यवादी हरिश्चंद्र, राजा दशरथ, जैसे लोग हुए हैं बल्कि आज भी किसी विद्यालय में झूठ का समर्थन नहीं होता। सामने से, बाकी आप सब की राय,पर अब आप चलते फिरते देखो कैसे -कैसे लोग, एक छोटी सी बात मन में घूम रही थी।

हुआ यूं की किसी से मेरी यूं ही रास्ते में मुलाकात हुई, नमस्ते की, हमने तो वो खड़ी हो गई बात करती रहीं । मेरे सच्चे लेखन की जिससे वो बहुत प्रभावित हैं, ऐसा बताया उन्होंने, तभी मेरी नजर उनके हाथ में दूध की बाल्टी पर पड़ी तो हमने पूछ लिया कितने में देते हैं दूध? तो जवाब देखिए- हमने पूछा ही नहीं कितने में देता है हम तो जो बिल देता है बस दे देती हूं.... हिहिही। हमें भी हँसी आ गई,अच्छा जी राम राम।

अब अगली कथा जिसने हमें जगा दिया वो यह की सपने में सजी संवरी आठ -दस औरतें दिखीं तो हमने पूछा- आज करवा चौथ है क्या? तो सब की सब देखी होंठ तो हिलाईं पर जवाब नहीं दिया। हमने फिर पूछा तो फिर वही अभिनय की और एक ने कहा हां है करवा चौथ,तभी हमने कुछ सोचते हुए कहा अच्छा पर हमने तो नवरात्रि का व्रत किया है यह मार्च का महीना है करवा चौथ तो अक्तूबर के महीने में होता है। इसके आगे जो बोल कर मेरी आँख खुल गई वो यह कि जो तुम लोग लिपी पुती बैठी हो, बिल्कुल टी वी सीरियल की सास -बहू साजिश, और-सीखो और घर फोड़ो। मंथरा हो पूरी की पूरी। यह सब मेरे सपने में घटी घटना है ।कोई व्यक्तिगत न ले। वैसे सुंदर यह है कि सब हरी साड़ी में सुहागिनी देवियां दिखीं।

**हनुमान मुक्त**

# व्यंग्य: दीनू की किस्मत

खुशी में समय कैसे निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। रामखिलावन उर्फ आर के साहब का समय भी बहुत अच्छे ढंग से गुजर रहा था। आजकल उनकी गिनती अच्छे अफसरों में होने लगी थी। अपनी अफसर बिरादरी में उनकी अच्छी पोजीशन थी। अच्छे खासे परिवार में उनकी शादी हो गई। वे पापा भी बन गए। सात साल का उनके एक बेटा है।

सिंह साहब जैसे गुरु के मार्गदर्शन और अपनी कार्यशैली से उनके पास अपना मकान और बैंक बैलेंस भी बन गया है। उनकी ही जाति बिरादरी का एक युवक है दीनदयाल।

अपने बूते अनुसार पढ़ने लिखने के बावजूद, काफी कोशिश करने के बाद भी जब किसी सरकारी महकमे में अपनी जगह ढूंढने में वह नाकामयाब रहा तो उसने असर-कारी स्कूल में देश का भविष्य निर्माता बनाने का कार्य शुरू कर दिया। असर-कारी स्कूल मास्टर की तनख्वाह असर-दायक नहीं होने से दीनदयाल स्कूल समय से पहले और बाद में होम ट्यूशन कर अपना गुजारा करने लगा।

घर में उसकी मां के सिवाय कोई नहीं था। पिता का देहांत बहुत पहले बचपन में ही हो चुका था। दीनदयाल की उम्र तीस साल के पार हो गई लेकिन क्या मजाल जो कोई नवयौवना का पिता अपनी पुत्री का हाथ उनके हाथों में देने का मानस बनाता। बेचारा दीनदयाल इधर-उधर ताक-झांक कर अपना काम चला रहा था। ताकते-झांकते उसकी आंखों को भी अब शर्म आने लगी थी। पर बेचारा क्या करता?

यार, दोस्त जब अपने बीवी बच्चों के साथ हंसते बतियाते निकलते तो उसके दिल पर सांप लोट जाता। मन ही मन उसे अपनी किस्मत पर रोना आता। इसी मोहल्ले का होने के कारण सब उसे दीनू ही कह कर पुकारते। प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के कारण अब वह दीनू से दीनू मास्साब बन चुका था। दीनू का पढ़ाने लिखाने में मन कितना लगता। यह तो नहीं पता लेकिन उसके द्वारा घर पर पढ़ने वाले बच्चे और उनके मां-बाप उससे बहुत प्यार करते। वह भी घर पर बच्चों को पढ़ाने के अलावा सब कुछ करता। बच्चों को पढ़ाई का सामान लाने से लेकर, घर का सामान लाने में भी वह कोई कोताही नहीं बरतता। जैसे तैसे दीनू अपना गुजर-बसर कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह आर के सर के यहां भी उनके नौनिहाल को घर पर ट्यूशन पढ़ाने का कार्य करने लगा था। अन्य ट्यूशन वालों के घर पर वह एक घंटे से अधिक समय खराब नहीं करता लेकिन आरके साहब की लोकप्रियता और कार्यशैली से प्रभावित होकर वहां वह दो घंटे तक खराब करने में कोताही नहीं बरतता।

उसका मानना था कि यह इन्वेस्टमेंट है जिसका फल उसे भविष्य में अवश्य मिलेगा। दीनू यहां साहब और साहिबा के पर्सनल कामों को भी पूरी मुस्तैदी से मन लगाकर पूरा करता। आरके साहब, साहिबा और उनका नौनिहाल दीनू की कर्तव्य निष्ठा, वफादारी और मेहनत से खुश थे। साहब को दीनू की दयनीय दशा पर काफी दया आती, जिसे दीनू अच्छी तरह जानता था। अपनी दयनीय दशा को अच्छी दशा में बदलने के लिए वह मनोरथ सिद्ध वृक्ष पर जाकर मनोकामना का धागा भी बांध आया था। मनोरथ सिद्ध वृक्ष की कृपा उस पर आई या उसकी मेहनत, कर्तव्य निष्ठा और वफादारी ने अपना रंग दिखाया कि एक दिन शाम को साहब, दीनू पर कुछ अधिक मेहरबान नजर आए। उन्होंने दीनू को एक अखबार थमाते हुए कहा, दीनू! इस अखबार में हमारे महकमे में बाबू की जगह के लिए विज्ञप्ति छपी है। तुम फॉर्म भर दो। दीनू ने अखबार को इधर-उधर पलटा। बोला,साहब इस नाम का अखबार तो आज पहली बार देखा है । सुनकर साहब के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान उभर आई। बोले, जब यह बाजार में आएगा ही नहीं तो तुम देखोगे कैसे? इसका प्रसारण हम जैसे कुछ एक अधिकारियों तक ही सीमित है। तुम्हें आम खाने हैं या पेड़ गिनने। जैसा कहा है, वैसा करो। कल शाम तक फॉर्म तैयार कर दे जाना। अत्यंत गोपनीय काम है। किसी से कुछ कहना मत। दीनू को आम खाने थे। साहब के यहां ट्यूशन के काम को और भी निष्ठा से करने का मन ही मन निर्णय किया। साथ ही साहब के निर्देशानुसार अपना भविष्य संवारने का भी। उनके कहे अनुसार फॉर्म तैयार कर गोपनीय ढंग से साहब को दे आया।

कुछ दिनों बाद साहब ने परीक्षा में बैठने का बुलावा पत्र दीनू को थमा दिया और कुछ गोपनीय निर्देशों के साथ ठीक समय पर परीक्षा स्थल पर पहुंचने का आदेश भी। दीनू ने साहब के आदेशों की अक्षरशः पालना की। सभी काम ठीक-ठाक ढंग से संपन्न हो गया। परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की कुंजी ,पेपर मिलने के आधे घंटे बाद ही दीनू के पास पहुंच गई और दीनू परीक्षा में पास हो गया। अब आ गई टाइप टेस्ट की बारी। परीक्षा तो टीप टाप कर पास कर ली लेकिन अब टाइप टेस्ट कैसे पास करेगा दीनू। उसे तो टाइप करने की एबीसीडी तक नहीं आती फिर वह टाइप की स्पीड में कैसे पास होगा। मन ही मन वह सोच रहा था।अपना संशय उसने साहब के समक्ष रखा।

साहब ने उसे मस्त रहने को कहा। आर के साहब अब खुद अलादीन के चिराग बन चुके थे। जिनके पास हर समस्या का हल था। पी टीआई सिंह साहब का उन पर पूरा असर था। सिंह साहब की उन पर पूरी कृपा दृष्टि थी ।वे अपने गुरु सिंह साहब से पूरा गुरु ज्ञान ले चुके थे। उन्होंने टाइप टेस्ट वाले दिन दीनू को दिन भर उनके घर पर ही रहने का निर्देश दे दिया कि वह आज घर से बिल्कुल ना निकले। अपने स्कूल से भी आज की छुट्टी ले ले। दीनू, साहब के गोरखधंधे के बारे में सोचता उससे पहले ही उसके दिमाग में पेड़ गिनने के बेवकूफी भरे प्रयास की बजाय आम खाने का विचार आ जाता। उसे आम खाने थे।वह सब कुछ साहब के निर्देशानुसार कर रहा था। टाइप टेस्ट के दिन, दिन भर साहब के घर पर ही रहा ।जो घर का काम वह कर सकता था।उसने पूरी कर्मठता से किया। शाम को उसे छुट्टी मिल गई। टाइप टेस्ट हो गया।कुछ दिनों बाद परीक्षा परिणाम आ गया। दीनू बिना टाइप टेस्ट में बैठे ही टाइप टेस्ट में अच्छे अंको से पास हो गया।बाद में पता चला कि उसकी टाइप टेस्ट की परीक्षा साहब के ऑफिस में काम करने वाले टाइपिस्ट ने दी थी। भगवान ने दीनू की सुन ली। अब वह आर के साहब के ऑफिस में ही सरकारी बाबू बन गया।

**मुक्तायन, 93, कांति नगर**
**मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी,**
**सवाई माधोपुर (राजस्थान)**

**नमिता गुप्ता मनसी**

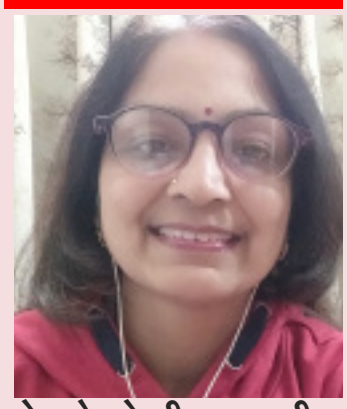

## हो सके तो सीखना कभी..

पेड़ों से..बीजों के अंकुरन की भाषा,
चिडियों से..घोंसला बुने जाने की भाषा,
पतंगों से..हवाओं की भाषा,
बादलों से..बारिश की भाषा,
बूंदों से..पानी की भाषा,
नदियों से..अनवरत बहने की भाषा,
तारों से.. आकाश की भाषा,
सूरज से..धूप की भाषा,
चांद से..चमकने की भाषा!!

नवजात से.. किलकारी की भाषा,
चित्रकार से..रंगों की भाषा,
स्त्री से.. उसके दर्द की भाषा
प्रौढ़ से..जीवन की भाषा
प्रेम से..मौन की भाषा,
और
जीवन से..उसके होने की भाषा!

सुनों..
समाहित हैं ये सभी भाषाएं सदियों से
कवियों की कविताओं में!!

**मेरठ, उत्तर प्रदेश**

# सेहत और त्वचा समस्याओं के लिए रामबाण इलाज है केसर का पानी

कई चमत्कारी गुणों से भरपूर केसर लंबे समय से अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जा रहा है। केसर का उल्लेख आयुर्वेद में भी पाया जाता है। पकवानों और व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाला केसर हमारे स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी,एंटी-अल्जाइमर, एंटी कॉनवल्सेन्ट और एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुण कई तरह की समस्याओं में मददगार होते हैं। केसर का इस्तेमाल अस्थमा, खांसी, गले में खराश, काली खांसी जैसी कई समस्याओं के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केसर का पानी भी कई परेशानियों में आपके लिए सहायक साबित होता है। अगर नहीं, तो आज हम आपको बताएंगे केसर के पानी से होने वाले फायदों के बारे में-

## त्वचा के लिए फायदेमंद

केसर आपकी त्वचा के लिए बेहद गुणकारी होता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर केसर स्किन में मौजूद टॉक्सिन को बाहर निकालने में मददगार है। केसर का पानी पीने से स्किन हाइड्रेट रहती है और इसे पोषण भी मिलता है। इसके अलावा इसके सेवन से कील,मुंहासे,फुंसी समेत कई अन्य समस्याएं दूर रहती हैं।

## पीरियड्स के दर्द में कारगर

केसर का पानी माहवारी के दौरान होने वाली समस्याओं में भी काफी आराम दिलाता है। अगर आपको पीरियड्स की वजह काफी दर्द होता है, तो इसके लिए आप केसर का पानी पी सकते हैं। साथ ही अगर आपको हैवी पीरियड्स नहीं आ पा रहे हैं, तो इसके लिए भी केसर का पानी उपयोगी साबित होगा।

## हेयरफॉल रोकने में असरदार

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जिससे कई लोग अक्सर परेशान रहते हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो इसके लिए केसर का पानी पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट न सिर्फ हेयरफॉल को रोकते हैं, बल्कि बालों के रोम को मजबूत बनाकर इन्हें बढ़ने में मदद करता है।

## शुगर क्रेविंग करें कंट्रोल

अक्सर खाना खाने के बाद कई लोगों को मीठा खाने की क्रेविंग होती है। लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा खाना हमारी सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। ऐसे में अगर आप अपनी शुगर क्रेविंग को कंट्रोल करना चाहते हैं, तो इसके लिए सुबह केसर का पानी पीना काफी फायदेमंद होगा।

## चाय-कॉफी का बेहतर विकल्प

ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि वह अपने दिन की शुरुआत एक कप चाय या कॉफी से करते हैं। लेकिन खाली पेट सुबह चाय या कॉफी का सेवन आपकी सेहत के लिए नुकसानदेय हो सकता है। ऐसे में अगर आप सुबह के लिए चाय या कॉफी का कोई विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो इसके केसर का पानी बढ़िया विकल्प है। इसे पीने से आप पूरे दिन रीफ्रेश फील कर पाएंगे।

# बालों को मजबूत, घना और शाइनी बनाने के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

**खानपान में गड़बड़ी, बढ़ते प्रदूषण, खराब जीवनशैली के कारण बालों से जुड़ी समस्याएं अब लोगों में आम हो चुकी हैं। कम उम्र में बाल सफेद होना हो या असमय बाल झड़ने की समस्या हर तीसरा व्यक्ति इन परेशानियों का शिकार है।**

**खराब पोषण के कारण भी बालों से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। हेयर फॉल, बाल सफेद होने की समस्या या बालों से जुड़ी दूसरी तमाम समस्याओं के लिए मार्केट में कई तरह के प्रोडक्ट्स मौजूद हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स में केमिकल या प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके बालों को कई नुकसान पहुंचा सकते हैं। बालों से जुड़ी समस्याओं के खतरे को कम करने के लिए कुछ ड्रिंक्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। आइए आज इस लेख में जानते हैं बालों के लिए फायदेमंद ऐसे ही ड्रिंक्स के बारे में।**

## बालों के लिए फायदेमंद ड्रिंक्स

बालों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से कुछ ड्रिंक्स का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। लोग अक्सर सुबह उठते ही चाय या कॉफी और कई तरह के कैफीन युक्त ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। इन ड्रिंक्स के सेवन से आपके बालों को कई नुकसान हो सकता है।

## 1. एलोवेरा जूस का सेवन

एलोवेरा जूस का सेवन करने से आपके बालों को बहुत फायदे मिलते हैं। एलोवेरा जूस में विटामिन सी, विटामिन ई, बीटा कैरोटीन जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसका नियमित रूप से सेवन करने से आपके बाल स्ट्रांग होते हैं और उनकी चमक बढ़ती है। इस जूस का सेवन करने से आप दिन भर एनर्जेटिक भी रहेंगे।

## 2. कीवी का जूस

कीवी का जूस पीने से आपको कई अनोखे फायदे मिलते हैं। कीवी में मौजूद विटामिन ई और अन्य पोषक तत्व बालों को मजबूत और घना बनाने में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

## 3. आंवले का जूस

आंवला सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। आंवले में मौजूद गुण और पोषक तत्व आपको कई गंभीर बीमारियों और परेशानियों से बचाने का काम करते हैं। आंवले का जूस पीने से आपको हेयर फॉल की समस्या में भी फायदा मिलता है।

बालों से जुड़ी समस्याओं में आंवले का जूस पीने से बहुत फायदा मिलता है।

## 4. पालक का जूस

पालक का जूस भी आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पालक में आयरन, बायोटिन आदि की पर्याप्त मात्रा होती है। बालों को मजबूत, घना और शिल्की बनाने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है।

बालों को हेल्दी, मजबूत और शाइनी बनाने के लिए ऊपर बताये गए ड्रिंक्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इनका सेवन करने से आपके बालों को पर्याप्त पोषण मिलता है और बाल हेल्दी होते हैं।

# शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

## पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है।

आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

## हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकेत देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

## नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

## बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

## आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

## किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

BNM Fantasy

Sunday
29 October 2023

# "तेजस" की पहले दिन कमाई निराशाजनक

कंगना रनौत की फिल्म ''तेजस'' 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। कंगना कई दिनों से इस फिल्म का प्रमोशन कर रही थीं, इसलिए फिल्म काफी चर्चा में रही। फिल्म की रिलीज के बाद अब इसकी पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो ''तेजस'' ने बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कंगना की फिल्म तेजस ने पहले दिन सिर्फ 1.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। यह संख्या उम्मीद से काफी कम है। फिल्म के विषय को देखते हुए उम्मीद थी कि यह इससे बेहतर ओपनिंग देगी। यह फिल्म देशभर में करीब 1300 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है।

## म

*'मेंटल हेल्थ डे' पर आमिर खान और उनकी बेटी आइरा ने दिया अहम संदेश*

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (10 अक्टूबर) पर आमिर खान और उनकी बेटी आइरा ने एक अहम संदेश दिया है। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती, नतीजतन कई लोग तनाव में रहते हैं। वे अपना दर्द दूसरों के सामने व्यक्त नहीं कर पाते हैं। इस दिन के मौके पर आइरा ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के साथ एक वीडियो शेयर किया है। इसमें आमिर कहते हैं, "अगर हमें कठिन मैथ्स सीखना है, तो हम स्कूल या शिक्षकों के पास जाते हैं, अगर हम बाल कटवाना चाहते हैं, तो हम सैलून में जाते हैं। चाहे घर में फर्नीचर का काम हो या बाथरूम में प्लंबिंग का काम हो, हम उसी व्यक्ति के पास जाते हैं जो इसमें माहिर होता है। हम बीमार होते हैं तो डॉक्टर के पास जाते हैं। जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती हैं जो हम खुद नहीं कर सकते, जिसके लिए हमें दूसरे की मदद की जरूरत होती है।" आइरा आगे कहती हैं, जब हमें मानसिक या भावनात्मक मदद की ज़रूरत होती है, तो हमें उतनी ही आसानी से बिना किसी हिचकिचाहट के किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लेनी चाहिए, जो उस काम में कुशल हो।" आमिर ने कहा, "मैं और मेरी बेटी आयरा पिछले कई सालों से थेरेपी ले रहे हैं। अगर आपको भी लगता है कि आप मानसिक या भावनात्मक समस्याओं, चिंता या अवसाद जैसी किसी समस्या से गुज़र रहे हैं, तो किसी पेशेवर की तलाश करें और मदद लें, क्योंकि इसमें शर्मिंदा होने की कोई बात नहीं है।"

# जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी

***कैटरीना कैफ***

टाइगर-3 में कैटरीना जोया का किरदार निभाती है। जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस का रोल है। फिलम में वह लड़ाई या रणनीति में टाइगर उर्फ सलमान खान से बराबरी करती हैं। कैटरीना के जोया के किरदार को एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है में उन्हें खूब प्यार मिला है। उन्होंने दिखाया है कि वह अपने दम पर अविश्वसनीय एक्शन सीक्वेंस कर सकती हैं। यशराज फिल्म्स ने मंगलवार को जोया के रूप में कैटरीना के सोलो पोस्टर का अनावरण किया गया। इस मौके पर लोगों ने उनके अभिनय की सराहना की। लोगों का कहना है कि टाइगर-वर्स कैटरीना कैफ के अलावा कोई भी जोया की भूमिका नहीं निभा सकता है। इस मौके पर कैटरीना ने खुलासा किया कि टाइगर-3 के शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण एक्शन दृश्यों को निभाने के लिए उन्होंने अपने बॉडी को 'ब्रेकिंग पॉइंट' तक धकेल दिया। कैटरीना कहती हैं, 'ज़ोया वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला जासूस हैं और मुझे उनके जैसा किरदार पाकर बहुत गर्व है। वह उग्र है, वह साहसी है, वह पूरी तरह से समर्पित, वफादार है और सबसे बढ़कर वह हर समय मानवता के लिए खड़ी रहती है।' उन्होंने कहा कि, "वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में जोया का किरदार निभाना एक अविश्वसनीय जर्नी रही है और मैंने हर फिल्म में खुद को परखा है। टाइगर-3 कोई अपवाद नहीं है। हम इस बार एक्शन दृश्यों को अगले स्तर पर ले जाना चाहते थे और मैंने फिल्म के लिए अपने बॉडी को ढाला है। शारीरिक रूप से यह मेरी अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म रही है। एक्शन करना हमेशा रोमांचक होता है और मैं हमेशा से एक्शन जॉनर की प्रशंसक रही हूं। इसलिए, जोया का किरदार निभाना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मजबूत, साहसी, बदमाश और कोई रोकटोक नहीं। मैं लोगों की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं। जब वे जोया को स्क्रीन पर देखेंगे। वह टाइगर की यिन टू यांग है।' फिल्म टाइगर-3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है। यह फिल्म इस साल बड़ी दिवाली की छुट्टियों के दौरान रिलीज़ होगी।